मोहयाल मित्र

स्थापना-दिवस संदेश

■ अशोक लव

125वें स्थापना–दिवस समारोह ने 'जनरल मोहयाल सभा' के इतिहास में नया स्वर्णिम पृष्ठ जोड़ दिया है। मोहयालों की एकता और अपनेपन का ऐसा दृश्य पहली बार देखने को मिला था। इससे स्पष्ट हो गया कि देश–विदेश के कोने–कोने में बसे मोहयालों का जी.एम.एस. की नीतियों और कार्यों में अटूट विश्वास है और वे जी.एम.एस. के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं।

समारोह संपन्न हो जाते हैं पर अपने पीछे संदेश छोड़ जाते हैं। यह स्थापना–दिवस भी संदेश छोड़ गया है। यह संदेश है वर्तमान पीढ़ियों के लिए कि वे अगले 125 वर्ष में मोहयालों को क्या देकर जाएँगे? भावी पीढ़ियाँ हमारे किन कार्यों पर गर्व करेंगी, भावी इतिहास के पृष्ठ हमारे किन महान कामों का उल्लेख करेंगे। आइए इन पर विचार करें।

हमें मोहयालों के भविष्य को गौरवशाली बनाने के लिए अपने वर्तमान जीवन के बहुमूल्य समय के कुछ क्षणों को अपने समाज के लिए समर्पित करना होगा। हम जहाँ भी हैं, जिस क्षेत्र में कार्यरत हैं वहाँ अपनी विशिष्ट पहचान बनाएँ। जी.एम.एस. की नीतियों और कार्यों को साकार रूप देने के लिए यथायोग्य सहयोग दें। स्थानीय मोहयाल सभाओं के साथ मिलकर अपने–अपने नगरों और निकटवर्ती क्षेत्रों के मोहयालों को एकजुट करें। बालकों–किशोरों–युवाओं के लिए गतिविधियों का आयोजन करके उनमें मोहयाली भावना जगाएँ और उनका उचित मार्गदर्शन करें। तालकटोरा स्टेडियम से उठी मोहयाली एकता की लहर को जीवंत रखें।

जी.एम.एस. द्वारा किए निर्माण कार्य वर्षों तक अपनी पहचान बनाए रखेंगे। ऐसे अनेक कार्य अभी और करने की आवश्यकता है। शहर–शहर में मोहयाल भवन बनें जो मंदिरों के समान पावन हों, जो मोहयालों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन–स्थल बनें।

इन विषयों पर निरंतर चिंतन करने और कार्यरत रहने की आवश्यकता है।

जय मोहयाल!

बोर्ड की परीक्षाओं में सफलता के लिए शुभकामनाएँ

दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम इस माह के अंत तक घोषित होंगे। जनरल मोहयाल सभा अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली, समस्त पदाधिकारी और प्रबंधक–समिति के सदस्यों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

इन परीक्षाओं में 85 प्रतिशत और अधिक अंक लाने वाले विद्‌यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। जून अंक में आवेदन–पत्र प्रकाशित होगा। इसे भरकर तुरंत भेज दें।

हार्दिक शुभकामनाएँ! मेरा यह संदेश आप सबके लिए–

ज्ञानवान तब ही बनें, पढ़ने की जब चाह।
पुस्तक में सबको मिले, जीने की हर राह।।

अशोक लव
संयोजक–प्रतिभाशाली मोहयाल विद्‌यार्थी सम्मान

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्वास्थ्य एवम् खेल

स्वास्थ्य के विषय में इस धरती पर रहने वाला हर एक जीव चिंतित हैं और उसकी यही आन्तरिक इच्छा रही है कि वह चिर आयु हो। इस धरती पर रहने वाले मानव को परमात्मा ने कर्मज्ञान प्यार और संस्कार से रहने का ढंग पारम्परिक रूप से दिया है। हर मनुष्य में परमपिता परमात्मा ने वह शक्ति प्रदान की है कि वह कर्म और ज्ञान से अपने अंतर आत्मा की शक्ति को जागरूक कर परमात्मा के समतुल्य पहुँच सकता है। स्वास्थ्य के लिए शास्त्रों में जो वर्णन किया है उसमें परमात्मा ने कहा है कि मैंने हर मानव को सौ वर्ष की आयु दी है परन्तु वह कर्म और ज्ञान से भटक जाता है वही उसकी आयु को कम कर देता है।

प्रातःकाल सूर्य उदय से पहले उठकर सबसे पहले क्या करना चाहिए "उषा पान और फिर वायु स्नान" अर्थात् बिस्तर से उठते ही उषा पान (अर्थात पानी) का 750 एम.एल. से 1 लिटर तक का सेवन और नदी या तालाब के किनारे ताज़ी हवा में वायु का सेवन करना व तेज़ चलकर या दौड़कर अंग–प्रत्यंग का व्यायाम करके प्राणायाम और योग द्वारा किया जा सकता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि आप स्नान जो रोज करते हैं परन्तु आप ऊपर से शरीर को साफ करते हैं परन्तु वायु स्नान आपके अन्दर कार्यरत सभी अंगों को स्वस्थ्य एवं साफ रखता है। मुख्य रूप से अनुलोम–विलोम, कपाल भाती, अग्निसार, नौलिक क्रिया। अगर आप दौड़ नहीं लगा सकते हैं तो तेज़ चले, हाथों को आगे पीछे जाने दें, जिससे आपके शरीर का पसीना बाहर निकले। पसीना निकालने से आपके अन्दर विघमान गलूकोज खत्म हो जाता है और आपके अन्दर ऊर्जा आन्तरिक शक्ति का विकास होता है जो स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है।

प्रातःकाल भ्रमण में नदी किनारे सूर्योदय के साथ ही घूमने जाएँ। बाग में घूमने वालों के लिए कि अगर आपको बाग में घूमना है जहाँ पेड़ अत्यधिक हों। सूर्य उदय के पश्चात् ही जाएँ पौ फटने से पहले पेड़ कारबन डाईआक्साईड छोड़ते हैं।

इंसान को अपनी शत आयु के लिए सकारात्मक सोच, सभी का अच्छा सोचना अपने व्यक्तित्व कार्य के अलावा सामाजिक कार्य करना आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना अपने कर्मज्ञान का भरपूर उपयोग ही इसमें सहायक है।

बिना बल के इस संसार में कुछ नहीं हो सकता बल के लिए अच्छा स्वास्थ्य आवश्यक है अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम दौड़ना और तैरना आवश्यक है अच्छी खुराक ले किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन न करे। बल को बढ़ाने के लिए अच्छे खिलाड़ी को देखना चाहिए कि उसको क्या खाना चाहिए। उदाहरण के लिए दूध, दही और फल उसके लिए अमृत के समान होता है। अस्वस्थ व्यक्ति कभी भी अच्छा खिलाड़ी नहीं बन सकता।

उपयुक्त बातों को अच्छे खिलाड़ी को अपने जीवन में उतारना चाहिए इन बातों के साथ अच्छे खिलाड़ी को प्रतियोगिता में भाग लेते समय पक्के इरादे से आना चाहिए। पक्के इरादे से उत्साह बढ़ता है जिससे बड़े से बड़ा काम आसान लगने लगता है। पक्का इरादा हो तो कोई कारण नहीं कि हम मात खाएँ।

इन्द्र कुमार दत्ता, *अध्यक्ष, कुश्ती संघ, कोटा (राजस्थान)*
मो. 9414286040

इतिहास का एक पन्ना

आज का दिन 12 मार्च 2017 मोहयाल समाज के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। आज जनरल मोहयाल सभा का 125वाँ स्थापना दिवस का भव्य आयोजन तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया। यह विशाल आयोजन कर्मठ मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी के मार्ग दर्शन में उनके सहयोगियों की कार्य निष्ठा और बिरादरी के प्रति समर्पण से ही संभव हो सका। भारत वर्ष की आबादी के अनुपात में हम मोहयाल नगण्य ही हैं, परन्तु हमारा सभी का हौसला सातवें आसमान को छूने वाला है।

यह मेरा पहला अवसर था। अपनी बिरादरी के आयोजन में शिरकत करने का। मैंने अपनी जिंदगी के करीब 60 वर्ष मध्य प्रदेश कि कोयला खानों में बिता दिए। दिल्ली दूर होने के कारण आयोजनों में हिस्सा न ले सका।

मैं अभार प्रकट करता हूँ सचिव मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप श्री नरेश मेहता जी और सुरेन्द्र मेहता रिपोर्टर एम–एच.1 ग्रीन पार्क जगाधरी निवासी के सहयोग से मुझे यह अवसर प्राप्त हो सका। आयोजन का एक विशेष आकर्षण श्री संजय दत्त जी थे। उन्होंने अपने पिता स्व. श्री सुनील दत्त जी को दिए गए सम्मान को स्वीकार किया। बिरादरी द्वारा स्व. श्री सुनील दत्त जी को दिया गया सम्मान उन्हें पूर्व में राष्ट्र स्तर के सम्मान से सम्मानित किया गया था। उसकी तुलना में यह सम्मान काफ़ी छोटा था। श्री संजय दत्त जी ने अपने व्यस्त समय में से समय निकाल कर आयोजन में शिरकत की और सम्मान स्वीकार किया।

आज की युवा पीढ़ी को श्री संजय दत्त जी से प्रेरणा लेना चाहिए। अपने बुर्जुगों के और बिरादरी के लिए समय निकालना चाहिए।

मैं मोहयाल रत्न श्री बी.डी. बाली जी एक अद्भुत व्यक्तित्व के इन्सान है। ईश्वर उन्हें दीर्घायु प्रदान करें ताकि हमारी बिरादरी दिन दुगनी रात चौगनी प्रगति करे। जय मोहयाल!

प्रदीप कुमार छिब्बर, *जगाधरी (मो.) 7206402640*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

जगाधरी वर्कशॉप का स्थापना दिवस मनाया गया

मोहयाल बिरादरी ने देश की आजादी में जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यहाँ तक कि भाई मतिदास छिब्बर एवम् भाई सतिदास छिब्बर ने भी अपने प्राणों की आहूति देश व धर्म को बचाने के लिए दी। यह कहना है मोहयाल सभा के संरक्षक विकास छिब्बर का, जो मॉडर्न कालोनी में आयोजित मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्वजों के बलिदान की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह एकजुट होकर काम करें। जिससे मोहयाल बिरादरी को और बल मिलेगा।

मोहयाल सभा यमुनानगर के पूर्व प्रधान अश्वनी दत्ता ने कहा कि मोहयाल किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी मोहयालों को एकसूत्र में पिरोने के लिए जरूरी है कि समय–समय पर ऐसे आयोजन कर युवाओं को ज्यादा से ज्यादा साथ जोड़ा जाए। भाई मतिदास गुरूद्वारा सभा के अध्यक्ष बुंदासिंह ने भाई मतिदास के इतिहास पर प्रकाश डाला। इस दौरान भजन मंडली के सदस्यों ने अपने भजनों ने श्रद्धालुओं को निहाल किया।

मोहयाल सभा वर्कशॉप के प्रधान सतपाल दत्ता व महासचिव सुरेन्द्र मेहता ने बताया कि 1982 में मोहयाल सभा वर्कशॉप की स्थापना हुई थी। स्थापना के बाद से यह संस्था गरीब व असहाय लोगों की सहायता, विधवाओं को विधवा पेंशन दिलवाने व स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने का कार्य कर रही है। सबसे पहले हवन यज शुरू हुआ जिसमें मोहयाल सभा के संरक्षक विकास छिब्बर व उनकी पत्नी मुख्य यजमान थे मंच का संचालन ऋचा मेहता छिब्बर व तनवी मेहता ने मोहयाल प्रार्थना से किया।

विकास छिब्बर और मोहयाल सभा यमुनानगर के पूर्व प्रधान अश्वनी दत्ता ने ग्यारह–ग्यारह हज़ार रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप को देने की घोषणा की, कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रीति–भोज का भी आयोजन किया गया इस अवसर पर नरेश मेहता, रजिन्दर बाली, अशोक मेहता, अश्वनी बाली, सतपाल बाली, अमित दत्ता, कीमती मेहता, नंदकिशोर बाली, नंदलाल भीमवाल, दिलबाग राय मेहता, कुलभूषण वैद, विकास छिब्बर, संदीप दत्ता, अशोक बाली एडवोकेट, अमरदीप सिंह दत्ता, अनिल बाली, स्त्री मोहयाल सभा की प्रधान कमला दत्ता, सचिव परवीन बाली सहित भारी संख्या में मोहयाल भाई, बहन उपस्थित थे।

सतपाल बाली, *सचिव*
मो.: 9355310880

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर,
महासचिव

स्त्री मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 6.04.2017 को प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी की उपस्थिति में श्रीमती अर्चना दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई, जिसमें सबसे पहले प्रार्थना व गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। फरवरी माह की मासिक बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया था, जिसमें प्रधान श्रीमती सविता मेहता वैद, सचिव, श्रीमती अर्चना दत्ता, उपप्रधान, श्रीमती आरती दत्ता, कोषाध्यक्ष, श्रीमती संगीता दत्ता जी, को बनाया गया। सभी ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया। सभा में सभी ने विचार रखा कि बैशाखी पर्व पर एक कार्यक्रम श्रीमती सविता मेहता जी के निवास स्थान पर दिनांक 13.07. 2017, को आयोजित किया जाएगा।

अंत में सभी ने जलपान का आनंद लिया।

अर्चना दत्ता, *सचिव*
मो. 8755398813

भटिंडा

सभा की मासिक भटिंडा की मीटिंग 9.04.2017 दिन रविवार को अनिल बाली जी के निवास स्थान परस राम नगर, गली नं. 2, में अभिलाष वैद की अध्यक्षता में हुई। जिसमें अस्थायी कार्य–कारिणी भंग की गई। इस मौके पर पहुँचे सभी मोहयाल परिवारों की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी बनाई गई। इसी के साथ मोहयाल सभा भटिंडा रजि. की नई कार्यकारिणी बनाने का अधिकार अभिलाष वैद को दिया गया।

इस मीटिंग में सर्वसम्मिति के साथ अभिलाष वैद को प्रधान, विजय वैद को उप–प्रधान, जनरल सैक्रेटरी धर्मेन्द्र दत्ता, ज्वाइंट सैक्रेटरी अनिल बाली, कोषाध्यक्ष प्रमोद छिब्बर, प्रैस सचिव प्रदीप वैद, यूथ प्रधान खुशाल दत्ता, यूथ उप–प्रधान अनिल दत्ता, सचिव विपिन दत्ता, विजय दत्ता और सुभाष बाली को बनाया गया।

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की मासिक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में श्री कुलदीप दत्ता जी के निवास स्थान भीम नगर में हुई। इसमें कुलदीप दत्ता जी ने सभी का स्वागत किया। तथा सभी को घर पर चाय पार्टी दी। प्रधान जी ने बताया कि 13 मोहयाल भाईयों ने जी.एम.एस. द्वारा करवाए गए 125वें स्थापना दिवस जो तालकटोरा स्टेडियम में करवाया, में भाग लिया। सभी ने इस कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

26.03.2017 को अमृतसर की मोहयाल सभा द्वारा करवाए गए मोहयाल मेले में 10–12 भाईयों ने होशियारपुर की तरफ से भाग लिया। कुलदीप दत्ता जी ने होशियारपुर मोहयाल सभा को 5100 रुपए दिए, प्रधान जी ने उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अश्विनी बाली, पवन मैहत, मनोज दत्ता, रमण मैहता, ध्रुव बाली, सुभाष चन्द्र दत्ता, दिनेश दत्ता, कुलदीप दत्ता, नमता दत्ता, प्रेम प्रकाश मैहता, जगमोहन मैहता, अरविन्द मैहता, वरिन्दर दत्त वैद, विजयंत बाली, हेमिन्द्र कुमार बख्शी और शशपिन्द्र बाली उपस्थित थे।

मनोज दत्ता व विजयंत बाली

नजफगढ़-नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 2.04.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता,

सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22–ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–43) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 19 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शुभ समाचारः प्रधान जी ने सूचित किया कि मोहयाल सभा नजफगढ़ के सात सदस्यों को जनरल मोहयाल सभा के 125वें स्थापना–दिवस और 52वें मोहयाल कांफ्रेंस में "मोहयाल सेवा अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। जिनके नाम इस प्रकार हैंः– ले.कर्नल बी.के.एल. छिब्बर (से.नि.), श्री शेर जंग बाली, श्री हर्ष दत्ता, श्री बलदेव राज दत्ता, श्रीमती नम्रता दत्ता, श्रीमती सीमा छिब्बर एवम् श्री गोपाल मोहन छिब्बर।

श्री हर्ष दत्ता, सचिव ने सुझाव दिया कि एम.एस. नजफगढ़ का वार्षिक सदस्य शुल्क 50 रुपए के स्थान पर 100 रुपए होना चाहिए। प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों के अनुमोदन पर इस सुझाव को स्वीकार किया।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग दिनांक 7 मई 2017 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान पर प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेरजंग बाली, *प्रधान* — ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
मो.: 9871756765 — *मो. 9312174583*

अंबाला कैंट

दिनांक 9 अप्रैल 2017 को (27 दयाल बाग निवास स्थान श्री धर्मवीर बाली) पर मासिक मोहयाल मीटिंग शुरू हुई, जिसमें 11 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। उपाध्यक्ष श्री नरेश वैद ने सभा को प्रधानगी की। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद महासचिव श्री एम.एल. दत्ता ने पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

शुभ समाचारः 1. श्री एम. दत्ता जी ने खुश–खबरी सुनाई कि उनके बेटे एन.के. दत्ता की बैंक अफ़सर की प्रमोशन एक अप्रैल 2017 से बैंक ऑफ बड़ौदा में हो गई हैं। इस अवसर पर उन्होंने मिठाई बाँट कर सबका मुँह मीठा कराया। सबने एन.के. दत्ता तथा परिवार को बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

2. मेजर सरताज सिंह मेहता सुपुत्र कमां. पी.आर. मेहता जी का प्रमोशन ले.कर्नल के पद पर हो गया है। उन्हें बधाई भेजने का प्रस्ताव किया गया, क्योंकि कमां. पी.आर. मेहता अपने बेटे के पास दिल्ली गए हुए हैं।

3. आज श्री धर्मेन्द्र वैद सभा– फाइनेंस सचिव सुपुत्र स्व. कै. पी.आर. वैद जी का जन्मदिन है। प्रधान जी ने मुबारकवाद दी। सबने तालियों के साथ शुभकामनाएँ दीं। धर्मेन्द्र वैद जी ने भी मिठाई खिला कर धन्यवाद किया।

दुःख समाचारः स्व. श्रीमती निर्मला वैद धर्मपत्नी स्व. बलदेव राज वैद (निवासी 2–शिव प्रताप नगर, अंबाला कैंट) का 6.03. 2017 को रेलवे अस्पताल में देहांत हो गया। वे प्रधान श्री नरेश वैद की माता जी थी। इनकी क्रिया रस्म–पगड़ी 15.03. 2017 को की गई। इस अवसर पर श्री नरेश वैद जी ने 200 रु. लोकल सभा तथा जीएमएस विधवा फंड के लिए 500 रु. दान दिए। सभा में दो मिनट का मौन रखकर स्व. श्रीमती निर्मला वैद की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की। विधवा आर्थिक सहायता के फार्म दोबारा जीएमएस द्वारा निर्देशों के अनुसार आधार नं., बैंक अकाउंट नं., फोन

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नं. आदि सहित भेज दिए गए हैं। एक फ्रेस केस श्रीमती मनजीता शर्मा छिब्बर का भी दोबारा जीएमएस की हिदायतों के साथ मुकम्मल करके आज कोरियर कर दिया है।

प्रस्तावः लोकल सभा द्वारा निर्णय लिया गया कि अत्यंत गरीब विधवाओं के स्कूल जाते बच्चों की किताबों व कॉपियाँ खरीदने के लिए आर्थिक सहायता दी जाए। बजट के हिसाब से संभव 1100 रुपए प्रति विद्यार्थी राशि तय हुई। श्री धर्मेन्द्र वैद जी की जिम्मेदारी शीघ्र काम निपटाने के लिए सराहनीय होगी।

एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी ने सदन को अवगत कराया कि लोकल सभा द्वारा आई.ओ.बी. में तीन साल के लिए 150000 की एफ.डी. 19.04.2017 को मैचयोर हो रही है जिस पर लगभग 45000 ब्याज मिलेगा। प्रधान जी तथा वरिष्ठ सदस्यों ने सुझाव तथा प्रस्ताव पास किया कि ब्याज राशि बैंक एकाउंट में जमा करा के शेष 150000 दोबारा तीन साल के लिए एफ.डी. करा दी जाए। ताकि ब्याज का पैसा कभी भी सभा के खर्चे के लिए काम आ सके। साथ ही सभा कोष सचिव धर्मेन्द्र जी ने पिछले साल 30.03.2017 तक का आमदनी खर्चा का ब्यौरा सभा को बता दिया।

इलैक्शनः श्री आई.आर. छिब्बर जी की कमजोर सेहत के कारण उन्होंने असमर्थ होने के कारण इस्तीफा दे दिया था इसलिए पूर्व प्रधान श्री नरेश कुमार वैद को सर्वसम्मति से मोहयाल सभा अंबाला कैंट का प्रधान चुना गया। सदन ने नरेश कुमार वैद जी को बधाई दी।

श्री एम.एल. दत्ता जी ने 12.03.2017 को 125वाँ जीएमएस स्थापना दिवस तथा 52वाँ मोहयाल कांफ्रेंस जोकि तालकटोरा स्टेडियम, दिल्ली में मनाया गया विस्तार से विवरण किया तथा लोकल सभा, जीएमएस को अवसर की पूरी कामयाबी के लिए बधाई देती है तथा प्रशंसा करती है।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर 500 रुपए निर्धन फंड, श्री एम.एल. दत्ता 500 रु., श्री डी.वी. बाली 500 रु., श्री धर्मेन्द्र वैद 500 रु., सब लोकल सभा, श्री नरेश वैद 200 रु. लोकल सभा और 500 रु. जी.एम.एस. विधवा फण्ड सहायता में, श्री आई. एम. वैद 250 रुपए लोकल सभा तथा 250 रु. जीएमएस प्रत्येक को भेंट किए।

नरेश वैद, *प्रधान* — ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मोः 9416754889 — *मो. 9896102843*

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 2 अप्रैल 2017 को प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन में संपन्न हुई, जिसमें 35 मोहयाल भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत–

शोक– श्री विनय बख्शी, उपप्रधान के बड़े भाई श्री वीरेन्द्र बख्शी जिनका स्वर्गवास 12 मार्च 2017 को यमुनानगर में हुआ, की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने बताया कि सभा को श्री देश वैद निवासी रोहिणी, नई दिल्ली से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उन्होंने बताया कि अगर किसी भी भाई को घुटने का दर्द, जोड़ो का दर्द या पीठ का दर्द है, तो वे उन्हें संपर्क कर सकते है, वो मसाज के लिए तेल देते है, जिससे रोगी को बहुत राहत मिलती है।

श्री रमेश दत्ता जी ने 12 मार्च को तालकटोरा स्टेडियम में मोहयाल कॉन्फ्रेंस व मोहयाल दिवस में उपस्थित होने के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि जीएमएस ने फरीदाबाद से श्री ओ.पी. मोहन जी को कॉन्फ्रेंस का मुख्य–अतिथि बनाया, मुझे (रमेश दत्ता), श्री नागेंद्र दत्ता, श्री विनय बख्शी व श्री मिथलेश दत्ता जी को सम्मानित किया व साथ ही महिला विंग में श्रीमती बाला बाली जी व यूथ विंग से श्री नितिन दत्ता व ध्रुव दत्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वे जीएमएस का फरीदाबाद के मोहयालों को सम्मान देने के लिए हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

श्री ओ.पी. मोहन जी ने भी अपने भाषण में फरीदाबाद के सभी मोहयाल भाई बहनों का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि वे कुछ समय के लिए धर्मशाला जा रहे हैं जिस कारण वे अगले एक–दो माह की मीटिंग में उपस्थ्यित नहीं हो पाएँगे।

श्री कमल बाली, सेक्टर–9, से व श्री देव बख्शी, एन.आई.टी. –3, से जो सभा में पहली बार शामिल हुए थे, सभी ने तालियों से उनका स्वागत किया व सदा बिरादरी से जुड़े रहने को कहा।

श्री इंद्र बाली जी ने सिद्ध कल्याण साधना के सेवादार श्री एम.पी. शर्मा व श्री सेठ जी को आमंत्रित करके, उनके द्वारा सिद्ध पीठाधीश्वर स्वामी हरदास जी के द्वारा हर बीमारी का स्वयं इलाज के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की– श्री देव बख्शी 500 रु., श्रीमती दर्शना दत्ता जी ने 100 रु., ने सहयोग राशि के रूप में सभा को भेंट किए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि श्री आर.के. छिब्बर जी की 50वीं सालगिरह 27 अप्रैल को है व आज के भोजन की व्यवस्था उनकी ओर से की गई है। सभी ने उन्हें बधाई दी व सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती बाला बाली जी ने नवरात्रों के अवसर पर माता रानी के भजन गाए व श्री आर.के छिब्बर व श्रीमती छिब्बर की सालगिरह पर भी सुंदर गीत गाकर अपनी शुभकामनाएँ दी।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थित भाई–बहनों का धन्यवाद किया। अगली मासिक बैठक 7 मई 2017 को 11 बजे होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* **रायज़ादा के.एस. बाली,** *महासचिव*
मो.: 9212557095, 9999078425 *मो. 9899068573*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक 6.03.2017 को श्रीमती परवीन बाली, सचिव के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई और सभी सदस्य बहनों ने भाग लिया।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली द्वारा आए पत्र को पढ़ कर सुनाया गया, सभी बहनों से कांफ्रेंस जाने के लिए कहा गया।

श्रीमती बीना वैद और श्री सुशील वैद ने अपने बेटे की शादी पर स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर को 500 रुपए दान दिए भगवान उनकी दीर्घायु करे।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोन: 01732–226799

सौ गरीब विद्यार्थियों में स्टेशनरी बाँटी

श्री रमन लौ (51, राजनगर, पीतमपुरा, दिल्ली) ने अपने दोहते **जनव** (पुत्र श्रीमती शांभवी और श्री रजत भसीन) के जन्म की खुशी में सौ गरीब विद्यार्थियों को कॉपियाँ, पेन, पेंसिल, शार्पनर, कलर–बॉक्स आदि को सेट भेंट किए। वे समय–समय पर विद्यार्थियों और अनाथ बच्चों को उनकी जरूरत की चीज़ें भेंट करते रहते हैं।

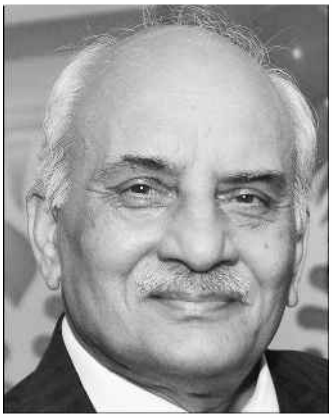

अपने दोहते के जन्म की खुशी में उन्होंने 19 फरवरी 2017 को श्री राम मंदिर, राजनगर, पीतमपुरा, दिल्ली में संकीर्तन कराया था जिसमें सगे–संबंधियों, मित्रों और स्थानीय पार्षद और विधायक तथा मोहयालों ने प्रिय जनव को आशीर्वाद दिया।

इस शुभ अवसर पर उन्होंने जनरल मोहयाल सभा को एक हज़ार एक रुपए भेंट किए। श्री रमन लौ स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया से सेवानिवृत्त होकर सामाजिक और धार्मिक कार्यों में लगे रहते हैं।

भगवान परशुराम-हैहेय युद्ध

भगवान परशुराम के विषय में कुछ महानुभाव कहते हैं, ''यदि परशुराम ने भारत भूमि को क्षत्रिय विहीन करने का बीड़ा उठाया था, तो उन्होंने अयोध्या, कान्य कुब्ज के क्षत्रिय राजाओं पर आक्रमण क्यों नहीं किया। यदि परशुराम ने भारत को क्षत्रिय विहीन कर दिया था, तो क्षत्रियों की संख्या कैसे बढ़ गई।''

उपरोक्त प्रश्नों का उत्तर मेरे इस लेख से मिल जाएगा। परशुराम की माता रेणुका अयोध्या के राजा प्रसेनजित की बेटी थी। परशुराम की दादी सत्यवती कान्य–कुब्ज के राजा गाधि की पुत्री थी। इनके अतिरिक्त काशी, वैशाली, व विदेह के राजाओं ने परशुराम का साथ दिया। परशुराम को ब्रह्मा, शंकर व कई ऋषियों का समर्थन भी प्राप्त था। ऋषि अगस्त ने उन्हें उत्तम रथ व आयुध दिए, तथा विभिन्न अस्त्र–शस्त्रों का प्रशिक्षण दिया।

परशुराम–हैहेय युद्ध कई वर्ष चला। यह युद्ध कैसे आरम्भ हुआ। इसका कारण संक्षेप में यह है– वायु पुराण के अनुसार भृगुवंशी ऋषि च्यवन का आश्रम गया (बिहार) के पास था। भृगु वंशीय या भार्गव ऋषि हैहेय राजाओं के राज पुरोहित थे। राजा कृतवीर्य ने च्यवन ऋषि के वंशज ऋषि ऋचीक को बहुत सी संपत्ति दान में थी। कृतवीर्य का पुत्र कार्तवीर्य अर्जुन अप्रसन्न था। पिता की मृत्यु के बाद जब वह सिंहासन पर बैठा। उसने भार्गवों पर अत्याचार आरम्भ कर दिए। उसकी सेना में गर्भवती स्त्रियों, बच्चों और ऋषि–मुनियों को भी नहीं बख्शा। ऋषि ऋचीक आश्रम त्याग कर कान्यकुब्ज में बस गए। वहाँ के राजा गाधि ने अपनी पुत्री सत्यवती का विवाह ऋषि ऋचीक से कर दिया। उनका पुत्र जमदग्नि हुआ। जमदग्नि का विवाह अयोध्या के राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका से हुआ। उनका पुत्र परशुराम था।

सामाजिक व धार्मिक व्यवस्था के निर्माण के लिए ऋषि–मुनियों ने अपने जीवन लगा दिए थे। उसे नष्ट करने पर हैहेय राजा तुले हुए थे। धर्म–संस्कृति की सुरक्षा के लिए परशुराम का हैहेय क्षत्रियों से संघर्ष चला। और यह युद्ध कई वर्ष रहा। अन्य राजाओं की सहायता से परशुराम ने अधर्मी व अत्याचारी हैहेय राजाओं का अन्त किया। इसलिए वे विष्णु के अवतार माने जाने लगे।

डॉ. लज्जा देवी मोहन
मो. 09671432717

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंतिम यात्रा

श्रीमती शीला देवी जी का निधन

श्रीमती शीला देवी मेहता (छिब्बर) जी का निधन 22 मार्च 2017 को यमुनानगर में हुआ। वह स्वर्गीय श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) जी की धर्मपत्नी थीं, जिनका निधन 24 जुलाई 2014 को हो गया था। श्रीमती शीला देवी जी स्वर्गीय भाई हाकिम राय छिब्बर व श्रीमती वीरांवाली छिब्बर जी (भल्ला करियाला) की पुत्रवधू थीं।

श्रीमती शीला देवी बहुत ही मिलनसार व धार्मिक प्रवृति की महिला थीं। मोहयाल बिरादरी के अलावा बाकि लोगों में भी वह काफी लोकप्रिय थी। अपने पति श्री राम प्रकाश जी की तरह उनकी भी सतगुरु बावा लाल दयाल जी में गहरी आस्था थी तथा भाई मतिदास गुरुद्वारा बूड़िया (जगाधरी) से भी उनका विशेष लगाव रहा।

श्रीमती छिब्बर कट्टर मोहयाल थी। उनकी सभी पाँच बहुएँ मोहयाल परिवारों से है। उनकी इच्छा थी कि उनकी पहली पौत्रवधू मोहन हो क्योंकि उनकी अपनी बहुओं में से कोई मोहन नहीं है। इनका स्वास्थ्य भी ठीक–ठाक था तथा अभी हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुए 125वें जनरल मोहयाल सभा सम्मेलन में भी उन्होंने भाग लिया तथा आदरणीय बी.डी. बाली जी, जी.डी. बक्शी, पी.के. दत्ता, रविंदर छिब्बर इत्यादि सभी से मिली थीं और कार्यक्रम का खूब मजा लिया था। अपने पुत्रों, बहुओं, पौत्र व पौत्रियों को उन्होंने अटूट प्यार दिया। मुझसे तथा मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता मोहन से भी उनका अत्यधिक प्रेम था।

उनकी रस्म–पगड़ी 01 अप्रैल 2017 श्री लाल द्वारा मंदिर यमुनानगर में संपन्न हुई। श्रीमती शीला देवी जी के दाह संस्कार व रस्म–पगड़ी में राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, शिक्षण संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा मोहयाल बिरादरी के लोगों ने शिरकत की, जिनमें की श्री कंवरपाल गुज्जर (स्पीकर हरियाणा विधान सभा), श्री करण देव कम्बोज (खाद्य आपूर्ति मंत्री हरियाणा सरकार), श्री रतन लाल कटारिया (लोक सभा सांसद, अम्बाला), श्री शाम सिंह राणा (संसदीय सचिव हरियाणा सरकार), श्री घनश्याम अरोरा (विधायक यमुनानगर), कुमारी शैलजा (पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार), श्रीमती रोजी मलिक (चेयरमैन समाज कल्याण विभाग हरियाणा), डाक्टर अशोक तंवर (अध्यक्ष हरियाणा प्रदेश कांग्रेस), पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डाक्टर कमला वर्मा, पूर्व विधायक रोशन लाल आर्य, पूर्व विधायक राजपाल भूखड़ी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सतपाल कौशिक, इनेलो नेता अशोक शर्मा, भाजपा पिछड़ वर्ग प्रदेश अध्यक्ष मदन चौहान, मोहयाल बिरादरी से सर्वश्री ऋत मोहन, विपिन मोहन, विनोद मेहता, जे.पी मेहता, दर्शन लाल बाली, सतपाल बाली, नरेश बाली तथा बड़ी संख्या में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जगत के प्रतिनिधियों के अलावा हरियाणा वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सोमनाथ शर्मा, एम.एच. न्यूज़ चैनल के रेजिडेंट एडिटर चंद्र शेखर धरनी व वरिष्ठ पत्रकार अश्वनी दत्ता ने भी भाग लिया तथा श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जबकि हरियाणा के पूर्व मुख्य मंत्री श्री भूपिंदर सिंह हूडा, कुरुक्षेत्र से सांसद श्री राजकुमार सैनी तथा मुख्य मंत्री हरियाणा के मीडिया सलाहकार श्री अमित आर्य ने फोन द्वारा परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।

श्रीमती शीला देवी अपने पीछे सुपुत्र– नरेंदर छिब्बर, सुरेंदर छिब्बर, देवेंदर छिब्बर, सतपाल छिब्बर व वीरेंदर छिब्बर, बहुएँ– अंजू छिब्बर, मधु छिब्बर, अलका छिब्बर, ज्योति छिब्बर व ऋतु छिब्बर, पोते– पवन छिब्बर, गौरव छिब्बर, सुमिल छिब्बर, तक्ष छिब्बर व तुषार छिब्बर, पोतियां–ऋचा छिब्बर, कंचन छिब्बर व भाविका छिब्बर, देवर–कीमती प्रकाश छिब्बर व सुभाष चंद्र छिब्बर तथा देवरानियाँ–किरण छिब्बर व संतोष छिब्बर छोड़ गई हैं।

परिवार ने इस मौके पर धार्मिक संस्थाओं के अलावा मोहयाल सभा यमुनानगर व मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 500–500 रुपए की दान राशि भेंट की। साथ ही जीएमएस में पहले से चल रहे श्री राम प्रकाश मेहता (छिब्बर) ट्रस्ट में श्रीमती शीला देवी मेहता (छिब्बर) का नाम जोड़ने की अपील की तथा 5000 रुपए की राशि इसमें भेंट की।

ऋत मोहन, *पानीपत*

श्रीमती संतोष लौ का निधन

श्रीमती संतोष लौ (पत्नी स्वर्गीय सुभाष चंद्र लौ) का निधन 14 अप्रैल को अचानक हो गया। वे स्वस्थ थीं और परिवारजन के साथ बातचीत करके सोई थीं। रात अचानक हृदयगति रुक जाने से उनका निधन हो गया। उनका दाह–संस्कार श्मशान–घाट हिंडन पर किया गया जिसमें सगे–संबंधी, मोहयाल और परिचित उपस्थित थे।

वे राजेंद्र नगर, गाजियाबाद में रहती थीं। वे अपने पीछे एक पुत्री और दो पुत्र छोड़ गई हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री नरेन्द्र नाथ दत्ता की पुण्य-स्मृति

श्री नरेन्द्र नाथ दत्ता का निधन 18 मार्च 2016 को अचानक हृदयगति रुक जाने के कारण उनका स्वर्गवास हो गया। मैं पत्नी श्रीमती प्रवीन दत्ता और मेरे दोनों सुपुत्र राजीव दत्ता–रजनीश दत्ता स्वर्गवासी नरेन्द्र नाथ दत्ता जी की याद में 3100 रुपए हरिद्वार मोहयाल आश्रम में भेंट कर रही हूँ।

श्रीमती प्रवीन दत्ता, *मौहल्ला सराफा, नियर जोशी भवन, नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर) पंजाब–144517*

स्वर्गीय भाई अमरनाथ छिब्बर की तीसरी पुण्य-तिथि

दिनांक 05.03.2017 को पिताजी आपकी तीसरी पुण्यतिथि है। तीन वर्ष कैसे व्यतीत हो गए पता ही नहीं चला। आपके

कथनानुसार "सादा जीवन उच्च विचार" के सिद्धांत पर परिवार चल रहा है। आपकी कमी की पूर्ति संभव नहीं है। आपके आशीर्वाद से बेटी एकता की शादी हो गई। आपके सभी पोते–पोतियाँ आपको हमेशा याद करते रहते हैं। आपका आशीर्वाद भी हमेशा–हमेशा उनके साथ रहा है और रहेगा। आपके द्वारा गाए हुए भजन हमेशा कानों में गूँजते रहते हैं।

हार्दिक श्रद्धांजलि सहित, परिवार 1000 रुपये जी.एम.एस. को भेंट कर रहे हैं।

पुत्र–भाई विद्यासागर छिब्बर, भाई प्रेमसागर छिब्बर, भाई विनोद कुमार छिब्बर, भाई वेदरतन छिब्बर और भाई शिव सागर छिब्बर, मोहल्ला–अर्जुनपुरवा, लखीमपुर खीरी, उ.प्र. मो. 9451809356

भूल सुधार

अप्रैल 2017 के पेज संख्या 53 में छपी कविता "आजादी" के अंतिम से पूर्व की तीसरी लाईन में ऋषि विहार लिखा गया है। कृपया इसे रिसाल विहार पढ़ें।

श्रीमती सुषमा बाली
मो. 9818967830

मोहयाल बिरादरी का देश की आजादी में अहम योगदान

मोहयाल बिरादरी ने देश की आजादी में जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यहाँ तक कि भाई मतिदास छिब्बर एवम् भाई सतिदास छिब्बर ने भी अपने प्राणों की आहुति देश व धर्म को बचाने के लिए दी। यह कहना है मोहयाल सभा के संरक्षक विकास छिब्बर का। जो मॉडर्न कॉलोनी में आयोजित मोहयाल सभा वर्कशाप के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्वजों के बलिदान की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी मोहयालों को एकसूत्र में पिरोने के लिए जरूरी है कि समय–समय पर ऐसे आयोजन कर युवाओं को ज्यादा से ज्यादा साथ जोड़ा जाए। भाई मतिदास गुरुद्वारा सभा के अध्यक्ष बुंदा सिंह ने भाई मतिदास के इतिहास पर प्रकाश डाला।

एक बच्चे का आत्मसम्मान

किसी कोठी के गेट पर पड़ी गाय को खिलाने वाली दो रोटी उस मैले–कुचैले बच्चे ने उठा ली है!

मुस्करा रहा है वो, संतुष्ट है, लगता है जैसे पगले ने अरबों की दौलत कमा ली है!!

बहुत छोटी सी सुकुमार उम्र, पर आँखे भीतर को धँसी हुई हैं।

फटी शर्ट पैंट देह पर बेतरतीब लटकी, नहीं नहीं,, फँसी हुई है!! मैंने सोचा वो पगला भूखा होगा, रोटी मिली है, शायद अभी बैठकर खाएगा।

लेकिन ये क्या,,, वो तो रोटियाँ झोले में रख रहा है,,, ना जाने कहाँ ले जाएगा?? मेरा मन बस इसी प्रश्न का उत्तर जानने हेतु उत्सुक बड़ा था,,, बरबस ही मुख से "ओय" निकल गया और वो डरा–डरा सा मेरी गाड़ी के पास खड़ा था। वो इतना भयभीत था कि उसका पूरा शरीर कांप रहा था,,, मैं भी उसकी मनोदशा को भली भाँति भाँप रहा था।

मैंने उससे प्यार से पूछा! बेटा इन रोटियों का तुम क्या करोगे? किसको खिलाओगे? खुद भूखे मरोगे? पता नहीं कौन सा दर्द भरा था उसके अन्दर,,, फफक कर रो दिया,,, "साहब घर में एक साल भर की बहन है और परसो मैंने माँ खो दिया है।" ईश्वर! हे महाकाल! ये नन्हा कितना जिम्मेदार कितना दिलेर है।

कुछ सोचकर 50 का नोट निकालकर उसकी ओर बढ़ाया, वो बोला ना साहब! अगर भीख मांगकर गुड्डी को खिलाया तो क्या खिलाया? मुझे वहाँ विस्मित, चिंतित, ठगा–सा छोड़ वह गरीब आगे बढ़ गया! ***मुनीष वैद,*** मो. 9418023850

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor